

This question paper contains 2 printed pages.]

Roll Number : .....  
Unique Paper Code : 121302410  
Title of the Paper : EC-D 402 SDC : Linguistic Speculations in Sanskrit  
संस्कृत में भाषाविषयक चिन्तन  
Name of the Course : MA Sanskrit (LOCF) Examination, May 2022  
Semester : IV  
Duration : 3 Hours  
Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

**Note:** Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  
**Attempt all questions**

1. आचार्य पतञ्जलि के भाषाविषयक योगदान को स्पष्ट कीजिए । 10  
Discuss the Linguistic contributions of Acharya Patanjali.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :  
Write short note on any **two** of the following :

कुमारिल , नागेश , पाणिनि , शिक्षा

2. भर्तृहरि प्रदत्त वाक्य संबंधी आठ मतों का तर्कसहित उल्लेख कीजिए । 10  
Describe with logic the eight theories of sentence as discussed by Bhartrihari .

अथवा / OR

‘प्रतिभा वाक्यार्थ’ के विषय में भर्तृहरि के मत की विस्तार से समीक्षा कीजिए ।  
Analyse the ‘Pratibhaa vaakyaartha’ theory as discussed by Bhartrihari.

3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुसार लक्षणावृत्ति का निरूपण कीजिए । 9  
Explain Lakshnavritti on the basis of the Nyayasiddhaantmuktavali.

अथवा /OR

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुसार शाब्दबोध की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।  
Throw Light on the process of Shabdabodha on the basis of the Nyayasiddhjaantmuktavali.

4. परमलघुमञ्जूषा के अनुसार धात्वर्थ की विस्तार से समीक्षा कीजिए 9  
Analyse the meaning of root on the basis of Paramlaghumanjusha.

अथवा /OR

स्फोट की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डालिए ।  
Throw Light on the notions of Sphota in details.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 12  
Explain any **two** of the following:

- क. घटादीनां न चाकारान् प्रत्याययति वाचकः ।  
वस्तुमात्रनिवेशित्वात् तद्वतिर्नान्तरीयकी ॥
- ख. अभ्यासात् प्रतिभाहेतुः शब्दः सर्वोऽपरैः स्मृतः।  
बालानां च तिरश्चां च यथार्थप्रतिपादने ॥
- ग. यथा द्रव्यविशेषाणां परिपाकैरयत्नजाः ।  
मदादिशक्तयो दृष्टाः प्रतिभास्तद्वतां तथा ॥
- घ. क्रिया विना प्रयोगेण न दृष्टा शब्दचोदिता ।  
प्रयोगस्त्वन्निष्पादी शब्दार्थ इति गम्यते ॥

6. निम्नलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए : 12  
Explain any **one** of the following:

- क. येन पदेन विना यत्पदस्यान्वयाननुभावकत्वं तेन पदेन सह तस्याकाङ्क्षेत्यर्थः । क्रियापदं विना कारकपदं नान्वयबोधं तेन तस्याकाङ्क्षा ।
- ख. एवं कोषादपि शक्तिग्रहः , सति बाधके क्वचित् त्यज्यते ।
- ग. वक्तुरिच्छा तु तात्पर्यं परिकीर्तितम् । यदि तात्पर्यज्ञानं कारणं न स्यात्तदा सैन्धवमानयेत्यादौ क्वचिदश्वस्य क्वचिल्लवणस्य बोध इति न स्यात् ।

7. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए: 8  
Write a short note in **Sanskrit** on any **one** of the following:

- क. अन्विताभिधानवाद  
ख. शाकटायन  
ग. शब्दब्रह्म  
घ. कैयट